Result Mitra Daily Magazine

खच्चर बैंक खाता

❖ चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने शुक्रवार (6 दिसंबर) को बैंक खातों में बढ़ती "खच्चर" खातों की समस्या के समाधान के लिए एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल (AI–Artificial Intelligence)बनाया है।
- यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) संचालित मॉडल "खच्चर" बैंक खातों (Mule Bank Accounts) से निपटने में मदद करके डिजिटल धोखाधड़ी को कम कर सकता है।
- Mule Hunter नामक यह AI मॉडल भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की सहायक कंपनी "रिजर्व बैंक इनोवेशन हब" (RBIH, Reserve Bank Innovation Hub) बेंगलुरु द्वारा विकसित किया गया है।

❖ खच्चर बैंक खाता (Mule Bank Account) क्या है ?

- खच्चर खाता एक बैंक खाता है, जिसका उपयोग अपराधियों द्वारा अवैध धन का शोधन सहित अन्य अवैध गतिविधियों के लिए किया जाता है।

- खच्चर बैंक खाते में अवैध गतिविधियों से प्राप्त धन को अन्य खातों में स्थानांतरित कर दिया जाता है।
- सरल शब्दों में खच्चर बैंक खाता धन शोधन और अन्य अवैध गतिविधियों के लिए एक सेतु का काम करता है।
- एक खच्चर खाता आमतौर पर अपराधियों के द्वारा अक्सर निम्न आय वर्ग के लोगों, जिनके पास तकनीकी साक्षरता का स्तर कम होता है, से खरीदा जाता है।
- खच्चर खाते से संबंधित शब्द "मनी म्यूल" का प्रयोग उन मूल उपयोगकर्ताओं के लिए किया जाता है, जिनके खाते का उपयोग अपराधियों द्वारा उनके बैंक खातों के माध्यम से चोरी या अवैध धन को वैध बनाने के लिए किया जाता है।
- "मनी म्यूल" जैसी घटनाओं की जांच के लिए जो वास्तविक अपराधी होते हैं, वो अज्ञात रहते हैं।
- भारतीय रिजर्व बैंक वित्तीय क्षेत्र में डिजिटल धोखाधड़ी से निपटने के लिए कई उपाय कर रहा है, जिनमें साइबर सुरक्षा, साइबर धोखाधड़ी की रोकथाम और लेनदेन की निगरानी को मजबूत करने के लिए विनियमित संस्थाओं के लिए RBI द्वारा जारी दिशा–निर्देश शामिल है।
- RBI द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि "मनी म्यूल" खातों का उपयोग धोखेबाजों द्वारा धोखाधड़ी के द्वारा प्राप्त आय को अपनाया जाने वाला एक सामान्य तरीका है।
- RBI के अनुसार Mule Hunter AI कुशल तरीके से म्यूल बैंक खातों का पता लगाने में सक्षम है, जिसका उपयोग बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में ट्रायल के रूप में उपयोग किया जा चुका है।

❖ मनी म्यूल के विभिन्न प्रकार :

- मनी लॉन्ड्रिंग योजना में अपराधियों की मिलीभगत के आधार पर "मनी म्यूल" को पांच भागों में वर्गीकृत किया गया है।
- मनी म्यूल का पहला प्रकार पीड़ित म्यूल है, जिसमें मूल उपयोगकर्ता को इस बात का पता नहीं होता है कि उसके खाते का उपयोग धोखेबाजों के द्वारा मनी लांड्रिंग के लिए किया जा रहा है।
- मनी म्यूल का दूसरा प्रकार गुमराह करने वाला होता है, जिसमें धोखेबाजों के द्वारा मूल उपयोगकर्ता के खातों में पैसा भेजा जाता है।
- मनी म्यूल का तीसरा प्रकार "धन–खच्चर" है, जिसमें धोखेबाज चोरी की गई धनराशि भेजने और प्राप्त करने के लिए कृत्रिम पहचान का उपयोग करके नए खाता खोलता है।
- मनी म्यूल का चौथा प्रकार "पेडलर" है, जिसमें मूल उपयोगकर्ता अपना खाता धोखेबाज को बेच देता है।
- मनी म्यूल का अंतिम प्रकार ऐसा खाता है, जिसमें उपयोगकर्ता धोखेबाज के निर्देश पर अपने नाम से नया खाता खोलता है, जिसका उपयोग धोखेबाजों के द्वारा किया जाता है।

❖ भारत में खच्चर खातों की समस्या :

- भारत में अधिकांश ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी में म्यूल खातों का एक प्रमुख तत्व के रूप में उपयोग होता है।
- पिछले महीने यानि नवंबर महीने में केंद्र सरकार के द्वारा लगभग 4.5 लाख ऐसे खातों को फ्रीज कर दिया गया, जिनका इस्तेमाल आमतौर पर साइबर अपराध की आय को वैध बनाने के लिए किया जाता था।
- इन 4.5 लाख म्यूल खातों में 40 हजार खाते SBI के, 10 हजार PNB (ओरिएंटल बैंक ऑफ़ कॉमर्स और यूनाइटेड बैंक ऑफ़ इंडिया) के, केनरा बैंक (सिंडिकेट बैंक सहित) के 7000 खाते, कोटक महिंद्रा बैंक के 6000 खाते एवं एयरटेल पेमेंट्स बैंक के 5000 खाते शामिल थे।

❖ सरकार द्वारा "खच्चर खातों" पर नकेल कसने के लिए क्या किया गया ?

- "खच्चर खातों" पर नकेल कसने के लिए 6 दिसंबर को वित्तीय सेवा विभाग (DFS, Department of Finance Services) के सचिव ने RBI, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) तथा राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक के अधिकारियों के साथ बैठक की।
- इस बैठक में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंक डिजिटल वित्तीय धोखाधड़ी खासकर खच्चर खातों की बढ़ती चुनौती पर चर्चा की गई।
- इस बैठक में खच्चर खातों पर नकेल कसने के लिए बैंकों को सर्वोत्तम तरीके अपनाने, अत्याधुनिक उपकरणों का लाभ उठाने और मूल खातों को प्रभावी ढंग से पहचान करने के लिए अंतर–बैंक सहयोग को बढ़ावा देने का आग्रह किया गया।
- इस बैठक में खच्चर खातों का वास्तविक समय में पता लगाने के लिए Mule Hunter AI के प्रयोग सहित अन्य उन्नत प्रौद्योगिकियों के उपयोग के लिए बैंक कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए निर्देशित किया गया।
- रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया द्वारा वर्तमान में "शून्य वित्तीय धोखाधड़ी" पर एक हैकथोन चला रहा है, जिसमें "खच्चर खातों" की समस्या से निपटने के लिए विशिष्ट समस्या विवरण शामिल है।

❖ रिजर्व बैंक इनोवेशन हब (RBIH) :

- रिजर्व बैंक इनोवेशन हब (RBIH) की स्थापना कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के तहत 100 करोड़ की राशि के साथ की गई थी।

- RBIH, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की स्वामित्व के तहत काम करने वाली सहायक कंपनी है, जिसका मुख्य उद्देश्य वित्तीय क्षेत्र में नवाचार को बढ़ाने सहित वित्तीय व्यवस्था को सुविधाजनक बनाने के लिए आधुनिक तकनीक का निर्माण एवं उपयोग करना है।
- RBIH का उद्देश्य बैंकों द्वारा प्रदान की जाने वाली वित्तीय सेवाओं के लिए ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है, जो देश के निम्न आय वाले लोगों के लिए वित्तीय सेवाओं और वस्तुओं की पहुंच को बढ़ावा दे।

❖ वित्तीय सेवा विभाग :

- वित्तीय सेवा विभाग (DFS) केंद्रीय वित्त मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाली संस्था है।
- DFS बैंकों, बीमा कंपनियों, सरकारी एजेंसियों और निजी निगमों के द्वारा दी जाने वाली वित्तीय सेवाओं का आकलन करता है।
- DFS के अंतर्गत पेंशन सुधार, औद्योगिक वित्त सहित सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों से जुड़ी गतिविधियां आती है।
- "प्रधानमंत्री जन धन योजना" DFS के तहत शुरू की गई एक पहल है।
- DF द्वारा वार्षिक वित्तीय समावेशन सूचकांक भी जारी किया जाता है, जो औपचारिक वित्तीय उत्पादों और सेवाओं के इस्तेमाल का एक पैमाना होता है।